K-626

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-507

भारतीय दर्शन भाग-02

MA Sanskrit (MASL)

2nd Semester Examination, 2023 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. जैन दर्शन के प्रारंभिक इतिहास पर एक विस्तृत निबंध लिखें।

2. जैन दर्शन की अनुमान व्यवस्था को विस्तारपूर्वक समझाइए।

3. चार्वाक दर्शन की तत्व मीमांसा का सारांश प्रस्तुत करते हुए उसकी समीक्षा करें।

4. न्याय दर्शक के प्रवर्तक कौन थे? न्याय दर्शन के अनुसार नि:श्रेयस को विस्तारपूर्वक समझाए।

5. अनुमान से क्या तात्पर्य है? अनुमान के भेद का उदाहरण सहित लिखें।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. जैन न्याय शास्त्र में योगदान देने वाले किन्हीं पांच आचार्य पर टिप्पणी करें।

2. जैन दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष ज्ञान के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

3. जैन दर्शन में बंधन के स्वरूप को स्पष्ट करें।

4. वर्तमान की दृष्टि से चार्वाक दर्शन की उपादेयता पर प्रकाश डालें।

5. तर्क भाषा के आधार पर प्रमेयों की संख्या का वर्णन करें।

6. प्रमेय कितने होते हैं? अर्थ नामक प्रमेय का वर्णन कीजिए।

7. असमवायिकारण क्या है? लक्षण और उदाहरण के साथ समझाइए।

8. हेत्वाभास के भेदों का निरूपण कीजिए।